तीसरी कसम-5

“प्रेम गुरु की अनन्तिम रचना ‘बस सर, अब वो वो… जल थेरपी… सिखा दो ?’ उसकी आवाज थरथरा रही थी। ‘ह… हाँ… ठीक है… च… चलो बाथ रूम में चलते हैं’ मुझे लगा मेरा भी गला सूख गया है। मैं तो अपने प्यासे होंठों पर अपनी जबान ही फेरता रह गया। उसने नीचे झुक कर फर्श […] …”

Story By: (premguru2u)
Posted: Friday, February 17th, 2012
Categories: जवान लड़की
Online version: तीसरी कसम-5

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तीसरी कसम-5

प्रेम गुरु की अनन्तिम रचना

‘बस सर, अब वो वो… जल थेरपी… सिखा दो ?’ उसकी आवाज थरथरा रही थी।

‘ह… हाँ… ठीक है… च… चलो बाथ रूम में चलते हैं’ मुझे लगा मेरा भी गला सूख गया है। मैं तो अपने प्यासे होंठों पर अपनी जबान ही फेरता रह गया।

उसने नीचे झुक कर फर्श पर पड़ी ब्रा और टॉप उठा लिया और अपनी छाती से चिपका कर उन नन्हे परिंदों को छुपा लिया और बाथरूम की ओर जाने लगी। मैं मरता क्या करता, मैं भी उसके पीछे लपका।

बात रूम में आकर मैंने गीज़र से एक बाल्टी में गर्म और दूसरी में ठण्डा पानी भरा और दो सूखे तौलिये उनमें डुबो दिए। पहले मैंने गर्म तौलिये से उसके उरोजों की सिकाई की बाद में ठण्डे से। जैसे ही ठण्डा तौलिया उसके उरोजों पर लगता उसके सारे शरीर में सिहरन सी दौड़ जाती और सारे रोम कूप खड़े से हो जाते। मैंने उसे भाप सेवन (स्टीम बाथ) के बारे में भी समझाता जा रहा था। वह तो आँखें बंद किये मेरे हाथों का स्पर्श पाकर मदहोश ही हुए जा रही थी। उसके पतले पतले होंठ अब गुलाबी से रक्तिम हो कर कांपने लगे थे। एक बार तो मन में आया कि इनको चूम ही लू। मेरा अनुमान था वो विरोध नहीं करेगी। सिमरन की तरह झट से मुझे बाहों में जकड़ लेगी। सिमरन का ख़याल आते ही मेरे हाथ रुक गए।

आप तो जानते हैं मैं सिमरन से कितना प्रेम करता था। मैं भला ऐसी जल्दबाजी और अभद्रता कैसे कर सकता था। भले ही मेरे मन में उसका कमसिन बदन पा लेना का मनसूबा बहुत दिनों से था पर मैं सिमरन के इस प्रतिरूप के साथ ऐसा कतई नहीं करना चाहता था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हमें इस जल थरेपी में कोई 15-20 मिनट तो लग ही गए होंगे। मेरे हाथ रुके देख कर पलक को लगा शायद अब जल थरेपी का काम ख़त्म हो गया है।

‘और नहीं करना ?’

‘ओह… हाँ बस हो गया ?’ मेरे मुँह से निकल गया। मैं तो सिमरन के खयालों में ही डूबा था।

उसने टॉवेल स्टेंड से सूखा तौलिया उठाया और अपने उरोजों को पोंछ लिया। उसने ब्रा दुबारा पहन ली और फिर जल्दी से टॉप भी पहन लिया। अब बाथरूम में रुके रहने का कोई मतलब नहीं रह गया था।

कमरे में आने के बाद मैंने कहा,’पलक एक काम तो रह ही गया ?’

‘वो.. क्या सर ?’

‘ओह.. तुम्हें इनको चूसवाना भी तो सिखाना था ना ?’

‘चाट गेहलो ?’

‘मैं सच कहता हूँ इनको चुसवाने से ये जल्दी बड़े हो जायेंगे ?’

‘आज नहीं सर, वो कल सिखा देना… अब मैंने ब्रा पहन ली है ?’ कह कर वो मंद मंद मुस्कुराने लगी।

ये कमसिन लडकियाँ भी दिखने में कितनी मासूम और भोली लगती हैं पर आदमी की मनसा कितनी जल्दी भांप लेती हैं। चलो एक बात की तो मुझे तसल्ली है कि उसे मेरे मन की कुछ बातों का तो अब तक अंदाज़ा हो ही होगा। अब तो बस इस कमसिन कलि को

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपने आगोश में भर कर इसका रस चूस लेने में थोड़ी सी देरी रह गई है। दरअसल मैं कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता था। कहीं ऐसा ना हो कि वो बिदक ही जाए और उसके साथ मेरा प्रथम मिलन का सपना केवल सपना ही बन कर रह जाए। मैं किसी भी हालत में ऐसा नहीं होने देना चाहता था।

'सर...मुझे बहुत देर हो गई है। घर पर वो दादी और बुआ को कोई शक हो गया तो मेरा जीना हराम कर देंगी।'

'क्यों ऐसी क्या बात है ?'

'अरे आप नहीं जानते, मैं उनको फूटी आँख नहीं सुहाती। बस उनको तो कोई ना कोई बहाना चाहिए पापा से शिकायत करने का !'

'ओह...'

'चलो छोड़ो... मैं भी क्या बातें ले बैठी ! कल का क्या प्रोग्राम है ?' उसने आँखें फड़फड़ाते हुए पूछा। उसके होंठों पर जो शरारत भरी कातिलाना मुस्कान थिरक रही थी मैं उसका मतलब बहुत अच्छी तरह जानता था।

'तुम बताओ कल कब आओगी ?'

'प्रेम क्या तुम मेरे घर पर नहीं आ सकते ?' आज पहली बार उसने मुझे प्रेम के नाम से संबोधित किया था।

'पर तुम्हारे घर पर तो वो दादी और पापा भी होंगे ना ?'

'ओह... पापा तो कल ही टूर पर चले गए हैं और दादी तो रात को 9 बजे ही सो जाती है !'

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘और वो तुम्हारी बुआ ?’

‘आप भी ना पूरे गहले ही हैं ? अरे भई वो तो कभी कभार दिन में ही आती है। आप ऐसा करो कल रात को 10:00 बजे के बाद आ जाना मैं सारी तैयारी करके रखूँगी।’

‘कैसी तैयारी ?’ मेरा दिल जोर जोर से धड़कने लगा था।

‘ओह. आप भी घेले (लोल) हो ! मैं आयल मसाज और जल थैरेपी की बात कर रही थी !’ उसके मुँह पर अबोध मुस्कान थी।

‘ओह. हाँ… ठीक है…’

आप सोच रहे होंगे यह प्रेम गुरु भी अजीब पागल है हाथ आई चिड़िया को ऐसे ही छोड़ दिया साली को पटक कर रगड़ देते ?

दोस्तों ! आप नहीं समझेंगे। मैं भला उसके साथ ऐसी जबरदस्ती कैसे कर सकता था। मेरी मिक्की और सिमरन की आत्मा को कितना दु:ख होता क्या आपको अंदाज़ा है ?

भले ही पलक नादाँ, अनजान, मासूम और नासमझ है अपना सर्वस्व लुटाने को तैयार है पर मैं अपनी इस परी के साथ ऐसा कतई नहीं कर सकता। मिक्की और सिमरन के प्रेम में बुझी मेरी यह आत्मा उसे धोखा कैसे दे सकती है। मैं उसकी कोमल भावनाओं से खिलवाड़ कैसे कर सकता था। कई बार तो मुझे लगता है मैं गलत कर रहा हूँ। लेकिन उसका चुलबुलापन, खिलंदड़ी हंसी और बार बार रूठ जाना और बात बात पर तुनकना मुझे बार बार उसे पा लेने को उकसाता रहता है। आदमी अपने आप को कितना भी बड़ा गुरु घंटाल क्यों ना समझे इन खूबसूरत छलाओं को कभी नहीं समझ पाता।

पलक ने मुझे अपना पता बता दिया था और यह भी चेता दिया था कि घर के पास पहुँच

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कर उसे मिस कॉल कर दूँ, वो दरवाजे पर ही मिल जाएगी।

पलक को मैं नीचे तक छोड़ आया। ऑटो रिक्शा में बैठने के बाद उसने मुझे एक हवाई चुम्बन (फ़्लाइंग किस) दिया। अब आप मेरी हालत समझ सकते हैं कि मैंने वो रात कैसे काटी होगी। मधु से फ़ोन पर एक घंटे सेक्स करने और दो बार पलक के नाम की मुट्ठ लगाने के बाद कोई 2 बजे मेरी आँख लगी होगी। और फिर सारी रात पलक के ही सपने आते रहे। मैंने सपने में देखा कि हम दोनों नदी के किनारे रेत पर चल रहे हैं और पलक खिलखिलाते हुए मेरा चुम्बन लेकर भाग जाती है और मैं उसके पीछे दौड़ता हुआ चला जाता हूँ।

हे लिंग महादेव !इस नाज़ुक परी के कमसिन बदन की खुशबू कब मिलेगी अब तो बस तेरा ही आसरा बचा है।

कितना अजीब संयोग था पटेल चौक से कोई आधा किलोमीटर दूर सरोजनी नगर में 13/9 नंबर का दो मंजिला मकान था। तय प्रोग्राम के मुताबिक़ मैं ठीक 10:00 बजे उसके घर के बाहर पहुँच गया। मैंने टैक्सी को तो पिछले चौक पर ही छोड़ दिया था। अक्टूबर के अंतिम दिन चल रहे थे। गुलाबी ठण्ड शुरू हो गई थी। मैंने पहले तो सोचा था कि कुरता पाजामा पहन लूं पर बाद में मैंने काले रंग का सूट और सिर पर काला टॉप पहनना ठीक समझा। इन दिनों में गुजरात में गणेश उत्सव और नवरात्रों की धूम रहती है। मैंने आज दिन में पूरी तैयारी की थी। मैं आज किसी चिकने चुपड़े आशिक की तरह पेश आना चाहता था। आज मैंने अपनी झांटें साफ़ कर ली थी और रगड़ रगड़ कर नहाया था। मैंने बाज़ार से दो गज़रे भी खरीद लिए थे और अपने कोट की जेब में दो तीन तरह की क्रीम और एक निरोध (कंडोम) का पैकेट भी रख लिया था। क्या पता कब यह हुस्न परी मेरे ऊपर मेहरबान हो जाए।

मैंने अपने मोबाइल से दो बार पलक को मिस काल किया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो तो जैसे मेरा इंतज़ार ही कर रही थी। उसने दरवाज़े का एक पल्ला थोड़ा सा खोला और आँखें टिमटिमाते हुए हुए पूछा,'किसी ने देखा तो नहीं ना ?'

'ना !' मैंने मुंडी हिलाई तो उसने झट से मेरा बाजू पकड़ते हुए मुझे अन्दर खींच कर दरवाज़ा बंद कर लिया।

'वो... तुम्हारी दादी ?' मैंने पूछा।

'ओह दादी को गोली मारो, वो सो रही है सुबह 8 बजे से पहले नहीं उठेगी। मैंने उसे दवाई की डबल डोज़ पिला दी है। तुम आओ मेरे साथ।' उसने मेरा हाथ पकड़ा और सीढ़ियों की ओर ले जाने लगी।

मैं चुपचाप उसके साथ हो लिया। उसके कमसिन बदन से आती मादक महक तो मुझे अन्दर तक रोमांच में भिगो रही थी। शायद उसने कोई बहुत तेज़ इत्र या परफ्यूम लगा रखा था। उसने अपने खुले बालों को लाल रिबन से बाँध कर एक चोटी सी बना रखी थी। सफ़ेद रंग की स्कर्ट के ऊपर कसे हुए टॉप में उसके गोलार्ध उभरे हुए से लग रहे थे। सीढियाँ चढ़ते समय उसके छोटे छोटे गुदाज़ नितम्बों को लचकते देख कर तो यह सिमरन का ही प्रतिरूप लग रही थी। मैं तो यही अंदाज़ा लगा रहा था कि आज उसने ब्रा तो नहीं पहनी होगी पर कच्छी जरुर गुलाबी रंग की ही पहनी होगी। इसी ख़याल से मेरा पप्पू तो अभी से उछल कूद मचाने लगा था।

शायद यह उसका स्टडी रूम था। कमरे में एक मेज, दो कुर्सियाँ और एक छोटा बेड पड़ा था। बिस्तर पर फूल बूटों वाली रेशमी चादर बिछी थी और दो तकिये रखे थे। एक कोने में उसके सफ़ेद जूते फेंके हुए से पड़े थे। मेज के ऊपर एक तरफ कंप्यूटर पड़ा था और साथ में 3-4 किताबें आदि बिखरी पड़ी थी। मेज पर एक कटोरी में शहद और एक में कच्चा दूध पड़ा था। साथ में तेल की दो तीन शीशियाँ और दो सूखे तौलिये भी रखे थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो बिस्तर पर बैठ गई तो मैं पास रखी कुर्सी पर बैठ गया। मैं अभी यही सोच रहा था कि किस तरह बात शुरू करूँ कि पलक बोली- सर, एक बात पूछूं ?

”हम्म्म… ?’

‘क्या आप मधुर दीदी के भी चूसते हो ?’

‘क्या ?’ मैंने मुस्कुराते हुए पूछा।

‘तमे इतला पण भोला नथी कि मारी वात समझया न होय ?’ (आप इतने भोले नहीं हैं कि मेरी बात ना समझे हों)

‘ओह… हाँ… मैं तो लगभग रोज़ ही चूसता हूँ !’

‘शु दीदी ने पण एम मजा आवे छे ?’ (क्या दीदी को भी इसमें मज़ा आता है ?)

‘हाँ उसे तो बिना चुसवाये नींद ही नहीं आती।’

‘अच्छा… ऐना बूब्स नु माप शु छे ?’ (अच्छा ? उनके बूब्स की साइज़ कितनी है ?)

’36 की तो होगी।’

‘आने लगन पेला केटली हती ?’ (और शादी से पहले कितनी थी ?)

‘कोई 28 के आस पास !’

‘हटो परे झूठे कहीं के ?’

‘मैं सच कहता हूँ मैंने उन्हें चूस चूस कर इतना बड़ा किया है !’

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो कुछ सोचने लगी थी। मैं उसके मन की उथल पुथल अच्छी तरह समझ सकता था। थोड़ी देर बाद उसने अपनी मुंडी को एक झटका सा दिया जैसे कुछ सोच लिया हो और फिर उसने बड़ी अदा से अपनी आँखें नचाते हुए पूछा,'वो… आज पहले मालिश करेंगे या… ?'

'पलक अगर कहो तो आज तुम्हें पहले वो… वो… ?' मेरा तो जैसे गला ही सूखने लगा था।

'सर, ये वो.. वो.. क्या होता है ?' मेरी हालत को देख कर मुस्कुरा रही थी।

'म… मेरा मतलब है कि तुम्हें वो बूब्स को चुसवाना भी तो सिखाना था ?'

'हाँ तो ?'

कहानी जारी रहेगी !

प्रेम गुरु नहीं बस प्रेम

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

खिलाड़िन गर्लफ्रेंड सिनेमा हॉल में चुद गई

मेरा नाम कमल है.. मैं आपको अपनी पहली मस्त करने वाली स्टोरी सुना रहा हूँ। मैं अपनी पढ़ाई के लिए इन्दौर के कालेज में गया.. वहाँ मेरी दोस्ती एक सुन्दर सी लड़की से हुई.. उसका नाम हिना था और वो […]
Full Story >>>

प्रशंसिका ने दिल खोल कर चूत चुदवाई -6

सुबह आठ बजे करीब रचना ने मुझे उठाया तो वो नहा धोकर कपड़े पहन कर तैयार हो चुकी थी और अपने और मेरे लिये चाय लिये हुए थी। मैंने उसे कपड़ों में देखा तो मैं बोल उठा- यार, हमारे तुम्हारे […]
Full Story >>>

मेरा गुप्त जीवन- 152

एंग्लो इंडियन डायना का चूत चोदन सबने जाते हुए अपने टेलीफोन नंबर एक दूसरे को बता दिए और यह वायदा भी किया कि फिर ज़रूर मिलेंगे। मैंने कम्मो को बोला- तुम रिक्शा करके घर पहुँचो, मैं डायना को अपनी बाइक […]
Full Story >>>

नादानी में गलत हो गया था

मेरा नाम अतुल है.. मैं इंदौर का रहने वाला हूँ, इस साईट का नया-नया पाठक बना हूँ। आप लोगों की कहानियां पढ़ कर मुझे ऐसा लगा कि मुझे भी अपनी कहानी बतानी चाहिए। मेरे एक मित्र की वाइफ है सोना.. […]
Full Story >>>

खट्टे अंगूर और संतरों का रस

दोस्तो, आज में मेरी पहली कहानी लिखने जा रहा हूँ.. कोई भूल चूक हो तो माफ कर दीजिए। मैं एक साधारण सा लड़का हूँ.. जो कि पढ़ाई में ध्यान देता और घर के छोटे-मोटे काम भी कर देता था। ज़िंदगी […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Velamma

Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Urdu Sex Videos

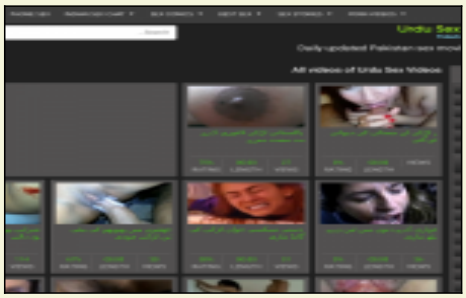

Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Indian Phone Sex

Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire